

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(त्रमाधारण)

हिमाचल प्रदेश शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 18 सितम्बर, 1959/27 भाद्रपद, 1881

HIMACHAL PRADESH ADMINISTRATION

REVENUE AND EXCISE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Simla-4, the 12th August, 1959/21st Sravana, 1881

No. Ex. 9-384/59.—The Government of India, Ministry of Finance, Notification No. 644, dated the 28th February, 1959 is reproduced below for general information.

RAGHUBIR SINGH, Joint Secretary (Revenue).

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(म्रार्थिक कार्य विभाग)

ग्रधिसूचना नई दिल्ली, २८ फरवरी, १९५७

 ये नियम केन्द्रीय विकय कर (रुजिस्ट्रीकरण ग्रौर व्यापारावर्त) नियम, १६५७ कहलाए जा सर्केंगे।

- 140
 - २. इन नियमों में जब तक कि प्रसंग से ग्रन्यथा ग्रपेक्षित न हो :
 - (क) ''ग्रधिनियम'' से केन्द्रीय विकय कर ग्रधिनियम, १६५६ ग्रभिप्रेत है ;
 - (कक) ''प्राधिकृत पदाधिकारी'' से धारा দ की उपधारा (४) के खंड (ख) के ग्रंधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी ग्रभिप्रेत है ;
 - (ख) "प्ररूप" से इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप ग्रिभिप्रेत है;
 - (ग) ''ग्रिधिसूचित प्राधिकारी'' से धारा ७ की उपधारा (१) के ग्रिधीन उल्लिखित प्राधिकारी ग्रिभिप्रेत है;
 - (गग) "विहित प्राधिकारी" से यथास्थिति धारा ६ की उपधारा (३) के स्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा सशक्त प्राधिकारी या धारा १३ की उपधारा (४) के खंड (ङ) के स्रधीन राज्य सरकार द्वारा विहित प्राधिकारी स्रभिप्रेत है;
 - (घ) "धारा" से ग्रिधिनियम की धारा श्रिभिनेत है;
 - (घघ) "हस्तान्तरक" से कोई ऐसा व्यक्ति ग्रिभिप्रेत है जो कि धारा ३ के खंड (ख) में निर्दिष्ट ढंग में कोई विकय करता है;
 - (ङ) "भांडागार" से कोई ऐसा घर, इमारत या जलयान ग्रभिप्रेत है जिसमें व्यापारी विकयार्थ वस्तुश्रों का स्टाक रखता है।

रजिस्ट्रोकरण का प्रमाणपत्र

- ३. (१) धारा ७ के ग्रंधीन रजिस्ट्रीकरण का ग्रावेदन प्ररूप 'क' में व्यापारी द्वारा ग्रंथिमूचित प्राधिकारी से किया जायगाः ग्रौर
 - (क) कारवार के स्वत्वधारी द्वारा या फर्म की ग्रवस्था में उसके भागीदारों में से एक के द्वारा या हिन्दू ग्रविभक्त परिवार की ग्रवस्था में परिवार के कर्ता या प्रवन्धक द्वारा या समवाय ग्रिधिनियम, १९५६ के ग्रधीन निगमित समवाय की ग्रवस्था में उसके निदेशक, प्रबन्ध-ग्रिभिकर्त्ता या उसके प्रधान पदाधिकारी द्वारा या सरकार की ग्रवस्था में उस सरकार द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा या व्यक्तियों की किसी ग्रन्य संस्था की ग्रवस्था में कारबार का प्रबन्ध करने वाले प्रधान पदाधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जायगा; ग्रौर
 - (ख) उक्त प्ररूप 'क' में उपबन्धित रीति में सत्यापित किया जायगा।
 - (२) जहां कि एक राज्य के भीतर, एक से ग्रधिक कारबार के स्थान किसी व्यापारी के हैं वहां वह ऐसे सब स्थानों की बाबत एकल ग्रावेदन देगा, ऐसे स्थोनों में से एक को ऐसे ग्रावेदन में इन नियमों के प्रयोजनों के लिए, कारबार के प्रमुख स्थान के रूप में नामांकित करेगा ग्रौर ऐसा ग्रावेदन ऐसे ग्रधिसूचित पदाधिकारी को भेजेगा जो कि नामांकित कारबार के प्रमुख स्थान की बाबत उल्लिखित है:

परन्तु कोई नामांकित स्थान, किसी ग्रवस्था में भी उस स्थान से, यदि कोई हो, चाहे वह किसी भी नाम से क्यों न ज्ञात हो, भिन्न नहीं होगा, जो कि राज्य की साधारण विकय कर विधि के ग्रधीन उस ने कारबार का प्रमुख स्थान घोषित किया है।

- ४. (१) धारा ७ की उपधारा (१) के ग्रधीन वाला रजिस्ट्री करण का ग्रावेदन, उस तारीख से ग्रनियक तींम दिन पश्चात् किया जायगा, जिस को कि व्यापारी ग्रिधिनियम के ग्रिथीन कर चुकाने के दायित्वाधीन होता है।
- (२) धारा ७ की उपधारा (२) के ग्रधीन वाला रजिस्ट्रीकरण का ग्रावेदन इस ग्रधिनियम के प्रारम्भ के पश्चात किसी समय किया जा सकेगा।
- (३) उपनियम (१) या उपनियम (२) के ग्रधीन वाले रिजस्ट्रीकरगा के प्रत्येक ग्रावेदन की वाबत पांच रुपये की फीस देय होगी; ग्रौर ऐसी फीस ऐसे ग्रावेदन पर चिपकाये गर्ये न्यायालय फीस मुद्रांकों के रूप में चुकाई जा सकेगी।
- ५. (१) जब किसी ग्रिधिसूचित प्राधिकारी का समाधान ऐसी जांच करने के पश्चात्, जंसी कि वह ग्रावश्यक समझता है, हो जाता है कि ग्रावेदन में ग्रन्तिविष्ट विशिष्टियां शुद्ध ग्रौर पूर्ण हैं ग्रौर नियम ४ के उपनियम (३) में निर्दिष्ट फीस चुकाई जा चुकी है तब वह व्यापारी का रिजस्ट्रीकरण करेगा ग्रौर उसे प्ररूप (ख) में रिजस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र ग्रौर उस में विणित कारबार के प्रमुख स्थान से भिन्न राज्य के भीतर के कारबार के प्रत्येक स्थान के लिए ऐसे प्रमाणपत्र की एक प्रति भी ग्रनदत्त करेगा।
- (२) जब कि उक्त प्राधिकारी का समाधान न हुग्रा हो कि ग्रावेदन में ग्रन्तिविष्ट विशिष्टयां शुद्ध ग्रौर पूर्ण हैं या जहां कि नियम ४ के उपनियम (३) में निर्दिष्ट फीस चुकाई नहीं गई है वहां वह लेखनबद्ध रूप में ग्रीभिलिखित किये जाने वाले कारणों के लिए ग्रावेदन को ग्रस्वीकार कर देगा:

परन्तु स्रावेदन स्रस्वीकार करने के पूर्व स्रावेदक को उम विषय में सुने जाने का स्रौर यथास्थिति उक्त विशिष्टियों को शुद्ध स्रौर पूर्ण करने का या नियम ४ के उपनियम (३) की स्रपेक्षास्रों का स्नवर्त्तन करने का स्रवसर दिया जायेगा।

- ६. नियम ५ के उपनियम (१) के अधीन अनुदत्त रिजस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र ऐसे प्रमाणपत्र में वर्णित कारबार के प्रमुख स्थान में रखा जायेगा और उक्त उपनियम के अधीन अनुदत्त ऐसे प्रमाणपत्र की एक प्रति ऐसे प्रमाणपत्र में वर्णित कारबार के प्रमुख स्थान से भिन्न राज्य के भीतर के कारबार के प्रत्येक स्थान में रखी जायगी।
- ७. (१) जहां कि कोई व्यापारी इन नियमों के ग्रधीन ग्रपने को ग्रनुदत्त रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र का संशोधन करवाना चाहता है वहां वह ग्रपने को ग्रनुदत्त रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र ग्रौर उसकी प्रतियों के सिहत, यदि कोई हों, ऐसे उिल्लिखित मामलों को जिनकी बांबत वह ऐसा संशोधन चाहता है ग्रौर उनके कारणों को उपवर्णित करते हुए ग्रधिसूचित प्राधिकारी को इस प्रयोजन के लिये एक ग्रावेदन भेजेगा ग्रौर यदि दिये गये कारणों से ऐसे प्राधिकारी का समाधान हो जाता है तो वह उसको ग्रनुदत्त रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र ग्रौर उसकी प्रतियों में ऐसे संशोधन कर सकेगा जैसे कि वह ग्रावश्यक समझता है।
- (२) धारा ६ के उपबन्ध ऐसे संशोधन प्रमारापत्र ग्रीर उसकी प्रतियों की बाबत ऐसे लागू होंगे जैसे कि वे मूल प्रमारापत्र ग्रीर उसकी प्रतियों की बाबत लागू होते हैं।
- ८. (१) जहां कि किसी व्यापारी को ग्रनुदत्त रिजस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र खो जाता
 है या विनष्ट, विरूपित या विकृत हो जाता है वहां वह ग्रधिसूचित प्राधिकारी को तिन्निमित्त

दिये गये स्रावेदन पर स्रौर दो रूपये की फीस की स्रदायगी पर ऐसे प्रमारापत्र की द्वितीय प्रति स्रभिप्राप्त कर सकेगा।

(२) उपनियम (१) के ग्रधीन देय फीस न्यायालय फीस मुद्रांकों के रूप में चुकाई जायगी।

रजिस्ट्रीकरए। के प्रमारापत्रों का संशोधन या श्रपखण्डन

- १. (१) ग्रिधिसूचित प्राधिकारी, धारा ७ की उपधारा (४) के ग्रियीन व्यापारी के रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र का, यथास्थिति संशोधन या ग्रापखंडन करने के पूर्व, उसे उस विषय में सुने जाने का ग्रवसर देगा।
- (२) यदि रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र में संशोधन करने की प्रस्थापना की जाती है तो व्यापारी ग्रपने को ग्रनुदत्त रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र ग्रौर उसकी प्रतियां, यदि कोई हों, उनका संशोधन कराने के लिए, ग्रिधसूचित प्राधिकारी के सामने, तत्क्षण पेश करेगा।
- (३) यदि रिजस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र अपखंडित कर दिया जाता है तो व्यापारी अपने को अनुदत्त रिजस्ट्रीकरण का प्रमारणपत्र और उसकी प्रतियां, यदि कोई हों, तत्क्षण, अधिसूचित प्राधिकारी को अभ्यपित कर देगा।
- १०. यदि कोई व्यापारी ग्रपने रिजस्ट्रीकरण के श्रपखंडन के लिए धारा ७ की उपधारा (४) के ग्रधीन ग्रावेदन करना चाहता है तो वह ग्रपने को ग्रनुदत्त रिजस्ट्रीकरण के प्रमारणपत्र ग्रीर उसकी प्रतियों के सिहत, यदि कोई हों, तिन्निमित्त एक ग्रावेदन उम उपधारा में उल्लिखित समय के भीतर श्रिधसूचित प्राधिकारी को भेजेगा ग्रीर ऐसे ग्रावेदन से उम उपधारा के उपबन्धों के ग्रनुकुल वरता जायेगा।

व्यापारीवर्त का ग्रवधाररा

११. (१) इस म्रिधिनियम के म्रिधीन कर चुकाने के दायित्वाधीन किसी व्यापारी की बाबत व्यापारावर्त की कालाविध वही होगी जिसकी बाबत कि वह समुचित राज्य की साधारण विकय कर विधि के म्रिधीन विवरिण्यां देने के दायित्वाधीन है:

परन्तु जो व्यापारी समुचित राज्य की साधारण विकय कर विधि के ग्रधीन विवरिण्यां देने के दायित्वाधीन नहीं है उसके सम्बन्ध में व्यापारावर्त की कालाविध यथास्थिति वित्तीय वर्ष की ३० जून, ३० सितम्बर, ३१ दिसम्बर ग्रौर ३१ मार्च को समाप्त होने वाला तिमासा होगा।

(२) धारा द के प्रयोजनों के लिए व्यापारी का व्यापारावर्त ग्रवधारित करने में, ऐसी वस्तुग्रों के केता द्वारा व्यापारी को वस्तुग्रों के परिदान की तारीख से तीन मास की कालाविध के भीतर वापम की गई सब वस्तुग्रों की विकय कीमत घटा दी जायेगी:

परन्तु यह तब जब कि वस्तुओं की ऐसी वापसी, ग्रीर नकद प्रतिदान या लेखा समायोजन के रूप में रकम के ऐसे प्रतिशोधन का समाधानप्रद साक्ष्य विहित प्राधिकारी के सामने पेश किया जाता है।

- १२. (१) धारा द की उपधारा (४) में निर्दिष्ट घोषणा ग्रौर प्रमागपत्र कमशः प्ररूप (ग) ग्रौर (घ) में होंगे:
- परन्तु १ स्रक्तूबर, १६५८ के स्रव्यवहित पूर्व यथाप्रवृत प्ररूप (ग) में की घोषणा भी उपयुक्त रूपभेदों के सहित ३० सितम्बर, १६५६ तक प्रयुक्त की जा सकेगी।
- (२) धारा ६ की उपधारा (२) में निर्दिष्ट प्रमारापत्र यथास्थिति प्ररूप 'ङ १' या 'ङ २' में होंगे।

वस्तुत्रों का कुछ प्रयोजनों के लिए विहित किया जाना

१३. धारा ६ की उपधारा (३) के खंड (ख) में निर्दिष्ट वस्तुएं जिनको कि रजिस्ट्रीकृत व्यापारी खरीद सकेगा वे वस्तुएं होंगी जो कि उसके द्वारा कच्ची मामग्री, ग्रिभिमंस्करण, सामग्री, यंत्र-कलाप, संयंत्र, माज-मामान, ग्रौजार, स्टोर्म, ग्रितिरिक्त पुर्जे, उपांग, इंधन या चिकना करने वाले पदार्थ के रूप में विक्रयार्थ वस्तुग्रों के ग्रिभिनिर्माण या ग्रिभिमंस्करण में या खनन में या बिजली या किसी ग्रन्य प्रकार की शक्ति के जनन या वितरण में प्रयुक्त किये जाने के लिए ग्राशियत हैं।

केन्द्रीय विकय कर (रजिस्ट्रोकरएा ग्रौर व्यापारावर्त) नियम, १६५७ प्ररूप 'क'

(धारा ३ देखिए)

केन्द्रीय-विकय कर ग्रधिनियम, १६५६ की धारा ७(१), ७(२) के ग्रघीन रजिस्ट्रीकरएा

का स्रावेदन

*···· को,

के राज्य के भीतर‡‡...... के रूप में ज्ञात कारबार करने वाले व्यापारी की ग्रोर से केन्द्रीय विकय कर ग्रिधिनियम, १६५६ की धारा ७ (१), ७ (२) के ग्रयीन रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र के लिए एतद्द्वारा ग्रावेदन करता हूं ग्रीर इस प्रयोजन के लिए निम्नलिखित विशिष्टियां देता हूं:—

- उक्त राज्य में व्यापारी के कारबार की बाबत प्रबन्ध समझे जाने वाले व्यक्ति का नाम।
- उस व्यक्ति की हैसियत या उसका सम्बन्ध जो ऐसा ग्रावेदन करता है (उदाहरएगार्थ
 प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्वधारी, निदेशक, राजकीय कारबार का भार-साधक पदाधिकारी) ।
- उक्त राज्य में के कारबार के प्रमुख स्थान का नाम ग्रौर उसका पता।

^{*}यहां ऋधिनियम की धारा ७ (१) के ऋधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये साधारएा या विशेष आदेश में उल्लिखित प्राधिकारी लिख दीजिए।

[‡]यहां उस राज्य का नाम लिख दीजिए जिस्में रिजस्ट्रीकरएा का ग्रावेंदन किया जाता है।

^{‡‡}यहां वह नाम और नामादि लिख दीजिए जिसके ग्रधीन कारबार किया जाता है।

- ४. ऐसे उक्त राज्य में के, स्थान का श्रन्य स्थानों के नाम जिन में कारबार किया जाता है ग्रौर ऐसे प्रत्येक स्थान का पता।
 - प्र. ऐसे उक्त राज्य में के भांडागारों की पूर्ण सूची जिनमें कारबार सम्बन्धी वस्तुएं भांडागारित की जाती हैं ग्रौर ऐसे प्रत्येक भांडागार का पता।
 - ६. ऐसे प्रत्येक स्थान के पते के सहित ग्रन्य राज्यों में से प्रत्येक में के कारबार के स्थानों की सूची (यदि कारबार के ऐसे किसी स्थान की बाबत केन्द्रीय विकय-कर ग्रिधिनियम, १९५६ के ग्रिधीन रिजस्ट्रीकरण का पृथक् ग्रावेदन दिया गया है या पृथक् रिजस्ट्रीकरण ग्रिभिप्राप्त कर लिया गया है तो उसकी विशिष्टियां व्योरेसहित दी जानी चाहिए।
 - ७. *कारबार:—सम्पूर्णत :मृख्यत :श्रशत :
 - श्रंशत: श्रंशत:
 - है।
 - न. किसी तत्समय प्रवृत्त विधि के ग्रधीन जारी किये गर्ये व्यापारी के रजिस्ट्रीकरण, ग्रनुज्ञप्ति, ग्रनुज्ञा इत्यादि सम्बन्धी विशिष्टियां ।
 - हम * *के सदस्य हैं।
 - १०. हम ग्रपने लेखा.....भाषा भ्रौर.....लिपि में रखते हैं।
 - ११. ***उनकी स्रायु, पिता का नाम, इत्यादि के सहित ऐसे कारबार के स्वत्वधारी/कारबार के भागीदारों/सब व्यक्तियों के, जो कारबार में कोई हित रखते हैं, नाम ग्रौर पते :

								****	स्तम्भ	द में का
कम	पूरा	पिता का		कारबार	वर्त मान	स्थायी	हस्ताक्षर	हस्ता	क्षर ऋ	भप्रमाणित
संस्था	नाम	पति का	भ्रायु	में के हित	पता	पता				साक्षी का
		नाम	_	का विस्तार				पता	स्रौर	हस्ताक्षर
8	7	3	8	×	Ę	e e	5			3

^{*} यहां लिख दीजिए कि क्या कारबार सम्पूर्णतः कृषि, ग्रौद्यानिकी, खनन, ग्रिभिनिर्माण शोक वितरण, फुटकर वितरण, संविदा कार्य या ग्राहार-प्रदान इत्यादि या उन्नमें से दो या दो से ग्रिथिक की कोई संहति हैं।

^{**}यहां उस वाणिज्य मण्डल, व्यापार संस्था या वाणिज्यिक निकाय का नाम लिख दीजिए जिसका कि व्यापारी सदस्य है।

^{***}यदि ग्रावेदक समवाय ग्रधिनियम, १६५६ (१६५६ का १) या किसी ग्रन्य विधि के ग्रधीन निगमित समवाय न हो तो भरा जायेगा ।

^{***} सम्पृक्त व्यक्तियों में से प्रत्येक के हस्ताक्षेर ग्रभिप्राप्त ग्रौर ग्रभिप्रमाणित किये जाने चाहिये ।

δ

१२. वह कारबार जिसकी बाबन यह ग्रावेदन किया जाता है पहले
को ग्रारम्भ किया गया था।
१३. घन्तर्राज्यिक व्यापार के ग्रनुक्रमों का प्रथम विकयको किया गया
था ।
१४. *हमकैलैन्डर का ग्रन्पालन करते हैं ग्रीर लेखा प्रयोजनों
के लिए हमारा वर्षकेकेके
**(ग्रंग्रेजी तारीख)केर्दन (भारतीय तारीख)
मेवेदिन (ग्रंग्रेजी तारीख/भारतीय
तारीख) तक होता है।
१५. हम प्रत्येक मास/तिमासा/छमाहो/वर्ष की समाप्ति की तारीख तक ग्रपना
विकय खाता पूरा करते हैं ।
६. ***निम्नलिखित वस्तुएं या वर्ग की वस्तुएं:—
(ক) पुर्निवऋय के लिए ।
(ख) विकयार्थ वस्तुक्रों के ग्रिभिनिर्माण या ग्रिभिसंस्करण में के उपयोग के
लिए
(ग) खनन में के उपयोग के लिए
(घ) बिजली या किसी ग्रन्य प्रकार की शक्ति के जनन या वितरण में के
उपयोग के लिए
(ङ) विकयार्थ/पुर्निवकयार्थ वस्तुभ्रों के वेप्टन में के उपयोग के लिए

१७. हम निम्नलिखित वर्गों की वस्तुओं का ग्रिभिनिर्माण या ग्रिभिसंस्करण करते हैं या उन्हें खनन में निकालते हैं या निम्नलिखित स्वरूप की शक्ति का जनन या वितरण करते हैं ग्रर्थात्......

म्रन्तराज्यिक व्यापार या वाणिज्य के म्रन्कम में व्यापारी द्वारा खरीदी गई

१८. उपरोक्त कथन मेरे पूर्ण ज्ञान श्रौर विश्वासानुसार सही हैं।

ग्रावेदक का पूरा नाम.....

हस्ताक्षर.....

^{*}यहां अंग्रेजी बंगाली, फसली, हिजरी, मारवाड़ी, या अन्य कैलैन्डर लिख दीजिए जिसका अनुपालन किया जाता है ।

^{**}इन प्रविष्टियों को भरने में उन व्यापारियों को, जो अंग्रेजी कैलेंडर का अनुपालन नहीं करते हैं, वे तारीखें जो उन के अपने कैलेंन्डर के अनुसार हों, और अंग्रेजी कैलेंन्डर की तत्स्थानी तारीख, देना चाहिए ।

^{***}यहां प्रत्येक प्रवर्ग के सामने वस्तुश्रों या वर्ग की वस्तुश्रों को नामांकित कीजिए। जो प्रभाग या कंडिका लागु न हो उसे काट दीजिए।

केन्द्रीय विकय-कर (रजिस्ट्रीकरण ग्रीर व्यापारावर्त) नियम, १६५७ प्ररूप ''ख''

[नियम १५ (१) देखिए] रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

मंख्या.....(केन्द्रीय)

कारबार:

कर लिया गया है।

पूर्णतः**
मुख्यतः
ग्रंशतः
ग्रंशतः

ग्रंशत:

1

उक्त ग्रिधिनियम की धारा प्र की उपधाराएं (१) ग्रौर (३) के प्रयोजनों के लिए उल्लिखित वर्ग/वर्गों की वस्तुएं निम्निलिखित हैं ग्रौर ग्रन्तर्राज्यिक व्यापार के ग्रनुकम में व्यापारी को इन वस्तुग्रों के विक्रय उक्त धारा की उपधारा (४) के उपबन्धों के ग्रधीन रहते हुए उग उपधारा में उल्लिखित दरों के ग्रनुसार कराधेय होंगे ।

- (क) पुनर्विकय के लिए
- (ख) विकयार्थ वस्तुग्रों के ग्रिभिनिर्माण या ग्रिभिसंस्करण में के उपयोग के लिए
- (ग) खनन में के उपयोग के लिए
- (घ) बिजली या किसी ग्रन्य प्रकार की शक्ति के जनन या वितरण में के उपयोग के लिए
- (ङ) विकयार्थ पुनर्विकयार्थ वस्तुत्रों क वेष्टन में के उपयोग के लिए।

व्यापारी निम्निलिखित वर्गों की वस्तुश्रों का ग्रिभिनिर्माण या ग्रिभिसंस्कारण करता है या खनन में निकालता है या निम्निलिखित स्वरूप की शक्ति का खनन या वितरण करता है,ग्रर्थात्

व्यापारी का वर्ष लेखा के प्रयोजनों के लिए......के.....के.......कि से

^{*}यहां वह नाम ग्रौर नामादि लिख दीजिए जिसके ग्रधीन कारबार चलाया जाता है ।

^{**}यहां लिख दीजिए कि क्या कारबार सम्पूर्णतः कृषि, ग्रौद्यानिकी, खनन, ग्रभिनिर्माण, थोक वितरण, फुटकर वितरण, संविदाकार्य या ग्राहार प्रदान इत्यादि या उनर्में से दो या दो से ग्रधिक संहति है । जो लागू नहीं है उसे काट दीजिए।

व्यापारी का कारबार का कोई ग्रतिरिक्त स्थान नहीं है। उसके कारबार के ग्रतिरिक्त स्थान हैं जो कि नीचे कथित हैं-

(क) रजिस्ट्रीकरण वाले राज्य में

(ख) ग्रन्य राज्यों में

व्यापारी के भांडागार रजिस्ट्रीकरण वाले राज्य के भीतर निम्नलिखित स्थानों में हैं--

(8)

(२)

(3)

यह प्रमाणपत्रमे तब तक, जब तक कि यह अपखंडित न कर दिया

. जाय, मान्य है।

तारीख.....

हस्ताक्षरित..... (अधिसूचित प्राधिकारी)

(मुद्रा)

देने बाले प्राधिकारी की मुद्रा।

देने वाले प्राधिकारी की मुद्रा।

देने वाले प्राधिकारी की मुद्रा।

...... * (विक्ता) को

यह प्रमाणित है कि

.....* (विकेता) को

यह प्रमाणित है कि

.....(विकेता) को ।

यह प्रमाणित है कि

प्रति पर्ण	हित्यक	मूल प्रति
केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरता और व्यापारावते) नियम, १६५७	केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरता भौ र ज्यापारावरी) नियम, १९५७	केन्द्रीय विकय कर (रजिस्ट्रीकरण स्रीर व्यापाराबते) नियम, १६५७
"h" bæk	प्ररूप "न"	,, के अर्थ प्र
घोषणा का प्ररूप	घोषणा का प्ररूप	घोषणा का प्ररूप
[नियम १२(१) देखिये]	[नियम १२(१) देखिये]	[नियम १२(१) देखिये]
देने वाले राज्य का नाम	देने वाले राज्य का नाम	देने वाले राज्य का नाम
देने वाला कार्यालय	देने वाला कार्यालय	देने वाला कायिलिय
देने की तारीख	देने की तारीख	देने की तारीख
रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संख्या सद्गित उस क्रेता व्यापारी का नाम जिसको दिया गया है।	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की संख्या के सहित उस क्रेता व्यापारी का नाम जिसको दिया गया	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संख्या सन्दित उस क्रेता च्यापारी का नाम जिसको दिया
		गया है।
वह तारीख जब से कि रजिस्ट्रीकरण मान्य है	वह तारीख जब से कि रजिस्ट्रोकरण	वह तारीख जब से कि रजिस्ट्रीकरण
	मान्य है	मान्य है
क्रम संख्या	कम संख्या	कम संस्था

18 शिक्त के जनन/वितरण में उपयोग के विकय/ विकयार्थ वस्तुत्रों के प्रभिनिर्माण/प्रभिसंस्करण ‡‡ृहमारेसंख्यातारीख वाले बाले चालान के श्रधीन प्रदत्त भ्रादिष्ट वस्तुएं कयादेश द्वारा आदिष्ट नीचे लिखे गये बिल/ म्रापके संस्या तारीख पुनविक्य के लिए बस्तुओं के बैटन के लिए हैं। कैश मीमो के अनुसार आप से कीत

‡‡पुनविक्य के,

ग्राप के संख्या तारीख

‡‡हमारे.....संख्या....तारीख वाले

‡ईहमारेसंख्यातारीख वाले क्रयादेश द्वारा आदिष्ट नीचे लिखे गये बिल/कैश मीमो

क्रयादेश द्वारा ग्रादिष्ट नीचे लिखे गये बिल/

कैश मीमों के अनुसार ब्राप से कीत

के अभिनिर्माण/अभिसंस्करण वाले चालान के क्रधीन प्रदत्त क्रादिष्ट बस्तुएं विकयार्थ वस्तुग्रों ‡‡पुनवित्रय के,

ग्राप के.....संस्यातारीख

के अनुसार आप के कीत

वाले चालान के ग्रधीन प्रदत्त ग्रादिष्ट वस्तुएं 71

विकयार्थ वस्तुओं के ग्रभिनिर्माण/ग्रभिसंस्करण ‡‡पुनविकय के, में उपयोग के,

शिक्त के जनन/वितरत में उपयोग के विकय/ खनन में के उपयोग के

खनन में के उपयोग के

में उपयोग के,

पुनविक्य के लिए बस्तुओं के वेप्टन के लिए हैं

के प्रधीन दिये गये मेरे/हमारे संख्या..... ग्रौर केन्द्रीय विकय कर प्रधिनियम, १९५६ श्रौर केन्द्रीय विकय कर अधिनियम, १६५६

श्रीर केन्द्रीय विकया कर अधिनियम, १९५६ के

शिक्त के जनन/वितरण में उपयोग के/विक्य/पूनविक्रय

खनन में के उपयोग के,

उपयोग के,

के लिए बस्तुओं के बेंट्टन के लिए है।

प्रधीन दिये गये मेरे/हमारे संख्या.....

तारीख वाले रजिस्ट्रीकरण पत्र के म्रान्तर्गत हैं।

केता व्यापारी का पूरा नाम और पता.....

के ग्रधीन किये गये भेरे/हमारे संख्या..... केता व्यापारी का पूरा नाम श्रौर पतः..... तारीख वाले रजिस्ट्रीकरण पत्र के अन्तर्गत हैं।

व्यक्ति के हस्ताक्षर भौर उसकी हैसियत)

भाद्रपद,

क्रेता ब्यापारी का पूरा नाम श्रौर पता.....

तारीख

तारीख वाले रजिस्ट्रीकरण पत्र के अन्तर्गत है।

(घोषणा को हस्ताक्षरित करने वाले

व्यक्ति के हस्ताक्षर भ्रौर उसकी

हैसियत

(घोषणा को हस्ताक्षरित करने वाले

(घोषणा को हस्ताक्षरित करने वाले ब्यिनत के हस्ताक्षर और उसकी

हैसियत)

150	ग्रसाधारग	राजपत्र,	हिमाचल	प्रदेश,	18	सितम्ब	ार,	1959/27	भाइपद,	1881
क्रविल/कैश मीमों की विशिष्टियां तारीखःमंख्या	रकम		दी जाए । <u>1</u> ईको भी लाग् नहीं है उमे काट दीजिए।	मूल प्रति	केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरता खौर	व्यापासवती नियम, १६५७	प्रकृत ('घ')	सरकारी कैय करने के प्रमाराषत्र का प्ररूप [नियम १२ (१) देखिए]	ो (रिअस्ट्रोक्कत ब्यापारी न होते हुए सरकार की घ्रोर से कय करते ममय प्रयोग में लाया जाय)।	केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार का नाम

तारीख.....संस्या.....

तारीख.....संस्या.....

रकम.....

वित्रिक्ति मीमों की विशिष्टियां

*विल/कैश मीमों की विशिष्टियां

(टिप्पण: विकेता व्यापारी द्वारा रखे लिया जाय)। टिप्पण:

*राज्य के नाम के सहित विकेता का नाम और पता । *राज्य के नामे के सहित विकेता का नाम और

पता

(टिप्पण: केता व्यापारी द्वारा रख लिया जाये)।

‡्रंजो भी लागू नहीं है उसे काट दीजिए	ब्रितीय प्रति	रि केन्द्रीय विकय कर (रजिस्ट्रीकरण आँ।	ब्यापासवते) नियम, १६५७	(B), b&K	प सरकारी कथ करने के प्रमासमय का प्ररूप [नियम १२(१) देखिए]
‡‡जो भी लागू नहीं है उमे काट दीजिए ।	प्रति पर्श	केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरण और	व्यापारावती नियम, १६५७	प्रकर '' घ''	सरकारी कय करने के प्रमासपत्र का प्ररूप [नियम १२(१) देखिए

किरण और

देने वाले मंत्रालय/विभाग का नाम......

(रजिस्ट्रीकृत व्यापारी न होते हुए सरकार की

(रजिस्ट्रोकुत व्यापारी न होते हुए सरकार की थ्रोर

से क्य करते समय प्रयोग में लाया जाय)

श्रोर से कय करते समय प्रयोग में लाया जाय)

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार का नाम देने वाले मंत्रालय/विभाग का नाम......

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार का नाम..... देन वाले मंत्रालय/विभाग का नाम.....

देने वाले कार्यालय का नाम श्रौर पता	देने वाले कार्यालय का नाम भ्रौर पता	देने बाले कार्यालय का नाम श्रौर पता
**(विकेता) को	क्ष्या भारता भारता भारता	* (विकेता) को
यह प्रमाणित है कि	यह प्रमाणित है कि	यह प्रमाणित है कि
हमारेसंख्यातारीख बाले	हमारे संख्यातारीख वाले	हमारेसंख्यातारीख वालें क्यादेश
क्रयादेश में आदिटट	क्यादेश में आदिष्ट	में आदिष्ट
श्राप से नीचे लिखे बिल/कैश मीमो के श्रनुसार खरीदी	श्राप से नीचे लिखे बिल/कैश मीमो के श्रनुसार	प्राप से नीचे लिखे बिल/कैश मीमो के प्रनुसार
- for	खरीदी गई।	खरीदी गई।
भ्रापकेसंख्यातारीख वाले चालान के भ्रधीन	श्रापकेसंस्यातारीख वाले चालान के	अापके संख्यातारीख वाले
प्रदत्त	के ग्रधीन प्रदत्त	चालान के अधीन प्रदत्त
वस्तुएंसरकार के द्वारा या निमित्त खरीदी गई हैं ।	बस्तुएंसरकार के द्वारा या निमित्त खरीदी	वस्तुएंसरकार के द्वारा या निमित्त खरीदी
	गई है।	मकी थे।
तारीख हस्ताक्षर	तारीखहस्ताक्षर	तारीखहस्ताक्षर
सरकार के प्राधिकृत पदाधिकारी	सरकार के प्राधिकृत	सरकार के प्राधिकृत पदाधिकारी
का पदाभिधान।	पदाधिकारी का पदाभिधान।	का पदामिधान ।
सरकार के सम्यक्तः प्राधिकृत पदाधिकारी की मुद्रा	सरकार के सम्यक्तः प्राधिकृत पदाधिकारी की मृद्रा	सरकार के सम्यक्तः प्राधिकृत पदाधिकारी की मुद्रा
*विल/कैश मेमो की विशिरिटयां	*बिल/कैश मेमो की विशिष्टियां	*बिल/कैश मेमो की विशिष्टियां
तारीखसंख्यारकम राज्य के	तारीलसंस्या रकम राज्य	तारीख संस्या रकम राज्य
नाम के सहित केता का नाम श्रौर पता	के नाम के सहित केता का नाम भ्रौर पता	के नाम के सहित केता का नाम श्रौर पता
**जो भी लागू नहीं है उसे काट दीजिए।	**जो भी लागू नहीं है उसे काट दीजिए।	**जो भी लाम् नही उसे काट दीजिए ।
टिप्पण:प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा रख लिया जाये ।	टिप्पण:प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा रख लिया	टिप्पण: समुचित राज्य सरकार द्वारा
	जाये ।	धारा १३(३) के श्रधीन बनाये
		गये नियमों के अनुकूल विहित

धारा ६ की उपधारा (२) के प्रधीन प्रमाएपत्र (रजिस्ट्रीकरण और व्यापारावर्त) नियम, १९५७ [नियम १२(२) देखिए] केन्द्रीय विकय कर

गुज्य का नाम कम मस्या

मूल प्रति

(रजिस्ट्रीकरण और व्यापारावर्त)

(रजिस्ट्रीकरण और व्यापारावते)

नियम, १६५७

..[ॐ,, bॐह

केन्द्रीय विक्रय कर

प्रति पर्यं

नियम, १६५७

...I ≥,, bœk

राज्य का नाम

केन्द्रीय विक्रय कर

द्विपत्रक

धारा ६ की उपधारा (२)के म्रथीन प्रमारापत्र

राज्य का नाम

थारा ६ की उपधारा (२) के ग्रधीन प्रमाराण्यत्र कम संख्या (i) उस भवस्था में, जिसमें विक्य धारा ३ (क) के मधीन [नियम १२(२) देखिए]

(i) उस ग्रवस्था में, जिसमें विकय धारा ३ (क) [नियम १२(२) देखिए]

के अधीन आता है, उस विकेता द्वारा, जिसमें वस्तुओं का प्रथम चालान किया हो या

३(क) के अधीन ग्राता है, उस विक्रेता द्वारा,

जिसने वस्तुक्रों का प्रथम चालान किया हो या

(i) उस क्रवस्था में, जिसमें विकय थारा

(ii) उम अवस्था में, जिसमें विकय धारा इ (ख) के अधीन आता है, उस व्यापानी द्वाना, जो वस्तुओं के एक राज्य से दूमरे राज्य को चालान के अभ्यन्तर, प्रथम अन्तर्राज्यिक विक्य करता है,

(ii) उस भ्रवस्था में, जिसमें विकय थारा ३

(ii) उस प्रवस्था में, जिसमें विकय धारा ३ (ख) के

म्राता है, उस विमेता द्वारा, जिसने बस्तुभों का प्रथम

बालान किया हो या

मधीन म्राता है, उस व्यापारी द्वारा, जो बस्तुम्रों के एक

राज्य से दूसरे राज्य की चालान के ग्रभ्यन्तर प्रथम मन्तर्शियक विकय करता है, (दो प्रतियों में) दिया जाये।

(ख) के अधीन आता है, उस व्यापारी द्वारा, जो

वस्तुओं के एक राज्य से दूसरे राज्य को चालान के ग्रास्यन्तर प्रथम श्रन्तर्रिज्यक विकय करता है, (दो प्रतियों में) दिया जाये ।

(क) बेचने वाले व्यापारी का नाम..... (दो प्रतियों में) दिया जाय ।

(ii) (राज्य के सहित) पता......

(i) (i) खरीदने वाले व्यापारी का नाम.....

(क) बेचने वाले व्यापारी का नाम......

(क) बेचने वाले व्यापारी का नाम..... (स) (i) खरीदने वाले व्यापारी का नाम.....

(ii) (राज्य के सिहत) पता.....

(ii) (राज्य के सिहत) पता......

 $(ar{a})$ (i) बरीदने वाले न्यापारी का नाम.....

(ii) वस्तुग्रों का ग्रभिवर्णन, उनकी

मात्रा भ्रौर उनका मूल्य.....

देने बाले राज्य के नाम के सहित खरीदने वाले व्यापारी से प्राप्त प्ररूप "ग" वाली

(iii)

(π) (i) उस स्थान श्रीर राज्य का नाम	जिममें चालान ग्रारम्भ हुग्रा	(ii) उस स्थान ग्रोर राज्य का नाम	जिसको वस्तुएं हस्ताक्षरकत्तो द्वारा	प्रीषत की गई हैं	(घ) (i) वीजकसंख्या भ्रौरतारीख
(π) (i) उसस्थान और राज्य का नाम जिस	में चालान श्रारम्भ हुशा	(ii) उस स्थान ग्रौर राज्य का नाम जिस	को बस्तुए हस्ताक्षरकत्तां द्वारा प्रेषित	की गई हैं	(घ) (i) वीजक संख्या ग्रौर तारीख
(π) (i) उस स्थान श्रौर राज्य का नाम जिममें चालान	म्रारम्भ हुमा	(ii) उस स्थान श्रीर राज्य का नाम जिस की बस्तुए	हस्ताक्षरकर्ताद्वारा प्रेषित की गई हैं		(घ) (i) बीजक संख्या और तारीख

(\mathtt{a}) (i) बीजक संख्या थ्रौर तारीख	(ii) वस्तुग्नों का ग्राभिवर्णन, उनकी मात्रा	मौर उनका मूल्य	(iii) देने वाले राज्य के नाम के सहित खरीदने	वाले व्यापारी से प्राप्त प्ररूप "म" वाली	घोषणा की संख्या श्रीरतारीख	(iv) रेल रसीद $($ बिलटी $)$ नारी का
(ष $)$ (i) बीजक मंस्या और तारीख	(ii) बस्तुग्रों का ग्रभिवर्णन, उनकी मात्रा ग्रौर उनका	मृत्य	(iii) देने वाले गज्य के नाम के सहित खरीदने वाले	व्यापारी से प्राप्त प्ररूप 'ग' बाली घोपणा की	मंख्या मौर तारीख	(i u) रेल रसीद (बिनटी) लारी का (ट्रिपशीट) या

(बिलटी) लारी का	गरिवहन के श्रन्य माथनों	दस्तावेज की संख्या		बेचने वाला/बचने वाले
(iv) रेल रसीद	(ड्रिंपशीट) या परिबहन	के किसी ग्रन्य	श्रीर तारीख.	मैं/हम, ऊपर वर्णित

तम्बर, 19	59/27 भा	इपद, 1881	
(हुंपशीट) या परिवहन के श्रन्य साथनों के किसी श्रन्य दस्तावेज की संख्या श्रौर	गारास मै/हम, ऊपर वर्षित बेचने वाला/बेचने वाले ब्यापारी, प्रमाणित करता हूं/करते हैं	कि मैं/हम अधिनियम के अथीन रजिस्ट्रोक्कत हूं/हैं औरराज्य में का रजिस्ट्रोकरण पत्र मंख्यातारीख वाला संघारण करना हूं/करते	क । भ/क्षम धम बर्गावया क अन्तर्भत (अन्तर्भा

व्यापारी, प्रमाणित करता हूं/करते हैं

कि मैं/हम श्रधिनियम के ब्रधीन, रजिस्ट्रीकुत हूं/हैं श्रीर.... कि मैं/हम श्रधिनियम के ब्रधीन रजिस्ट्रीकुत हूं/हैं

मौर.....राज्य में का रजिस्ट्रोकरण पत्र

मंख्या.....तारीख वाला मंधारण करता हं/करते

18 何

घोषणा की मंख्या श्रौर तारीख.....

(iv) रेल रमीद (बिलटी) नारी

153

विशिष्टियां ऊपर दी गई हैं, वस्तुओं के विक्य पर प्रथिनियम के प्रथीन कर.....राच्य के समृचित

विशिस्टियां ऊपर दी गई हैं, वस्तुयों के विकय पर

विकय पर ब्रधिनियम के ब्रधीन कर.....राज्य के

प्रमाणित करना हूं/करते हैं कि मैं/हम उन दस्ताबेजों के अन्तर्गत जिनकी विशिष्टियां ऊपर दी गई है, बस्तुओं के

तारीख वाला संधारण करता हू/करते हैं । मैं/हम यह

.....राज्य में का रजिस्ट्रीकरण पत्र संस्या.....

मैं/हम, ऊपर वर्षित बेचने वाला/बेचने वाले व्यापारी,

प्रमाणित करता ह/करते हैं

परिवहन के ग्रन्य माथनों के किमी ग्रन्य दस्तावेज

की मंख्या श्रौर तारीख

हैं। मैं/हम यह प्रमाणित करता हूं/करते हैं कि मैं/हम उन दस्तावेजों के ग्रन्तगंत जिनकी

154	त्रसामारल			14(1-47, 1757)21	MIX14, 1
विकय कर प्राधिकारी को चुका द्ंगा/चुका देंगे/दे चुका हे/दे चुके हैं।	हस्ताक्षर	स्थान व्यक्ति की हैसियत या सम्बन्ध (उदारहरणार्थं प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्व- धारी, निदेशक, सरकारी कारबार का भारसाधक पदाधिकारी)		तारीखपतापता (राज्य के नाम के महिन)	डिप्पणः ममुचित राज्य सरकार द्वारा भारा १३(३) के ब्रधीन बनाये गये नियमों
आधिनियम के अधीन करराज्य के समुचित विकय कर प्राधिकारी कं विकय कर प्राधिकारी को चुका दूंगा/चुका देंगे/दे चुका हूं/दे चुके हैं। चुका हूं/दे चुके हैं।	हस्ताक्षर	स्थान ट्यक्तिकी हैसियत यासम्बन्ध (उदाहरणार्थ प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्व- धारी, निदेशक, सरकारी कारबार का भारसाधक पदाधिकारी)	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••	तारीखपता (राज्य के नाम के महित)	टिप्पणः प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले व्यापारी द्वारा रख ली जाये ।
समुचित विकय कर प्राधिकारी को चुका दूंगा/चुका देंगे/दे चुका हें/दे चुके हैं।	हस्ताक्षर	स्थान (उदाहरणार्थ प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्ब- धारी, निदेशक, सरकारी कारबार का भारसाधक पदाधिकारी)		तारीखपता (राज्य के नाम के सहित)	टिप्पण: प्रमाणपत्र 'देने वाले व्यापारी द्वारा रख ली जाय । टिप्पण: प्रमाणपत्र प्राप्तकरने वाले व्यापारी द्वारा टिप्पण: रख ली जाये ।

[धारा ६(२)(क) में निर्दिष्ट विकय कम में के

प्रति पर्गा	द्विपत्रक	मृत प्रति
प कर (रजिस्ट्रीकरण और	केन्द्रीय विक्रय कर (रजिस्ट्रीकरण और	केन्द्रीय विकय कर (रजिस्ट्रीकरमा और
ति) नियम, १९५७	व्यापाराबते) नियम, १६५७	व्यापाराबते) नियम, १८५७
प्ररूप " इ !!"		"∏ ≊,, bæk
गरा (२) के मधीन प्रमास्पपत्र	धारा ६ की उपधारा (२) के प्रधीन प्रमारापित्र	धारा ६ की उपधारा (2) के क्रधीन प्रमारापत्र
ायम, १२(२) देखिए]	[नियम, १२(२) देखिए]	[नियम, १२(२) देखिए]
	राज्य का नाम	राज्य का नाम
	कम संख्या	कम संख्या

केन्द्रीय विकय कर (रा

व्यापारावत्) निय

[नियम, १२(

राज्य का नाम क्रम संख्या

धारा ६ क्री उपधारा (२)

या पश्चात्वर्ती हस्तान्तरक द्वारा (दो प्रतियों में) दिया जाये]। [थारा ६(२)(क) में निर्दिष्ट विकय कम में के प्रथम निर्दिष्ट विकय कम में के द्वितीय था पश्चात्वर्ती हस्तान्तरक या पश्चात्वती हस्तान्तरक द्वारा या धारा ६(२)(ख) में द्वारा (दो प्रतियों में) दिया जाये]।

(क) वस्तुश्रों के हक्क दस्तावेजों के हस्तान्तरण द्वारा बेचने वाले व्यापारी का नाम.....

(ग) (i) उस स्थान श्रौर राज्य का नाम जिसमें चालान (ii) पता (राज्य के नाम के सहित).....

(f a) (i) खरीदने वाले ज्यापारी का नाम....

(ग) (i) उस स्थान श्रौर राज्य का नाम जिसमें

उस स्थान श्रौर राज्य का नाम जिस को वस्तु प्रेषित की गई है.....

(ii)

बालान श्रारम्भ हुआ.....

प्रेपित की गई है उस स्थान श्रौर राज्य का नाम जिसको वस्तु

ग्रारम्भ हुग्रा....

(ii)

[धारा ६(२)(क) में निर्दिट विकय कम में के प्रथम या पश्चात्वती हस्तान्तरक द्वारा या धारा ६(२)(ख) में निदिष्ट विकय कम में के द्वितीय

प्रथम या पश्चात्वर्ती हस्तान्तरक द्वारा या धारा ६ (२) (ख) में निर्दिष्ट विकय कम में के द्वितीय या

द्वारा बेचने वालें व्यापारी का नाम...... (ii) पता (राज्य के नाम के सहित)..... (i) खरीदने वाले व्यापारी का नाम \dots वस्तुश्रों के हक्क दस्तावेजों के हस्तान्तरण **पश्चात्**वर्ती हस्तान्तरक द्वारा (दो प्रतियों में)

(ল

(a) (i) खरीदने वाले व्यापारी का नाम.....

(ii) पता (राज्य के नाम के सहित).....

दिया जाये] ।

(F

(क) वस्तुओं के हक्क दस्तावेजों के हस्तान्तरण

द्वारा बेचने वाले व्यापारी का नाम......

155 नाम जिसको वस्तु प्रेषित की गई है...... चालान श्रारम्भ हुआ.....

(ii) उस स्थान भ्रौर राज्य का

1881 (π) (i) उस स्थान थ्रौर राज्य का नाम जिसमें

156 18 सितम्बर, हिमाचल प्रदेश, 1959/27 भाद्रपद, या परिवाहन के ग्रन्य माथनों के किमीमें हम बेचने वाला/बाले (iv) रेल रमीद(बिलटी)लारी का (ट्रिपशीट) ग्रन्य दस्तावेंज की मंख्या ग्रौर तारीख (घ) (і) बीजक मंख्या थ्रीर तारीख बरीदने वाले व्यापारी से प्राप्त प्ररूप (ii) बस्तुग्रों का ग्रभिवर्ण न, उनकी मात्रा ग' वाले घोषणापत्र की मस्या स्रोर देने बाल राज्य के नाम के महिन

व्यापारी प्रमाणित करता है/करते

म) (1) बीजक मध्या ग्रौर तारीख	(घ) (i) बीजक मंख्या ग्रीर तारीख
(ii) वस्तुओं का अभिवर्णन, उनकी मात्रा और उनका	(ii) वस्तुत्रों का ग्रभिवर्णन, उनकी मात्रा
० ५५ ०	और उनका मूल्य
(iii) देने वाले राज्य के नाम के सिहत खरीदने वाले	(गां) देने वाले राज्य के नाम के सहित
व्यापारी से प्राप्त प्ररूप 'म' वाले घोषणापत्र	खरीदने वाले व्यापारी से प्राप्त प्ररूप
को संख्या भौर तारीख	'ग' वाले घोषणा पत्र की संख्या स्रौर
	तारीख
i u angle रेल रसीद (बिलटी) लारी का (ट्रिपशीट) या $(i u angle$ रेल रसीद (बिलटी) नारी का	(iv) रेल रसीद (बिलटी) लारी का
परिवहन के ग्रन्य साधनों के किसी ग्रन्य दस्तावेज की	(ट्रिपशीट) या परिवाहन के झन्ध
महास क्षेत्र के क्षेत्र के का के का	माराजें के दिया गरम जस्ताने की मंद्रम

ग्रीर उनका मूल्य

(iii)

नारीख.....

) रेल रसीद (बिलटी) लारी का (ट्रिपशीट) र परिवहन के ग्रन्य साधनों के किसी ग्रन्य दस्तावेज क संख्या ग्रौर तारीखमैं/हम बेचने वाला	वाले व्यापारी प्रमाणित करता हूं/करते हैं ि	मै/हम प्रधिनियम के प्रथीन रजिस्ट्रीकृत हूं/हैं भौरराज्य में का रजिस्ट्रीकरण प्रमारापत्र संख्याता०संधारण करता हूं/करते हैं
<u></u>		मैं/ल स्रो

€

का श्रन्थ नंख्या वाले कि	्रें जि
नारी ब को भ बाला/ ते हैं।	स्ट्रोक्टत जस्ट्रोब
री) र रवाहर स्तावेः । बेचने	न राज का रा
(बिलटी) नारी या परिवाहन के गिश्रन्य दस्तावेज की मै/हम वेचने वाला गत करता हूं/करते हैं।	के प्राथी
रेल रसीद (बिलटी) नारी का (ट्रिपशीट) या परिवाहन के प्रत्य माथनों के किमी प्रत्य दस्तावेज की मंख्या .शौर तारीखमै/हम बेचने वाला/बाले व्यापारी प्रमाणित करता हूं/करते हैं कि	(क) मैं/हम श्रधिनियम के ब्राथीन रजिस्ट्रोक़त हूं/ है ब्रौर राज्यमें का रजिस्ट्रोकरण
त्त्र स्सीद (ट्रिपक्षीट) ाथनों के किमे रितारीख गपारी प्रमाणि	ग्रज्ञाध्य रिरा
(<i>iv</i>) रेल (ट्रिं माध श्रीर र	म् जे
(ż)	(4)
# ~ 하 #	

(क) मैं/हम श्रधिनियम के श्रधीन रजिस्ट्रीकुत F.... ना हूं/करते हैं कि.... गीन रजिस्ट्रोक्टन हूं/ का रजिस्ट्रोकरण

(ख) मैं/हमने वस्तुश्रों के, उपर्युक्त मद 'ग' में वाले प्रमाणपत्र के ग्रधीन खरीद कर, ऐसे जाने के अभ्यन्तर उनका उसके खरीने वाले व्यापारी के निर्दिष्ट, एक राज्य में दूसरे की चालान के ग्रम्थन्तर उनके हक्क दस्तावेज प्ररूप 'ङ१/ङ२' के....मंख्या ह/हैं स्रौर राज्य.....में का रजिस्ट्रीकरसा अमाणपत्र मंख्या..... ता०....मंत्रारण

(ख) मैं/हम ने, वस्तुओं के, उपयुक्त मद 'ग' में

(ख) मैं/हम ने, वस्तुश्रों के उपयूकत मद 'ग' में निर्दिट, एक राज्य से दूसरे को चालान के अभ्यन्तर, उनके हक्क दस्तावेज प्ररूप 'डः१/डः२' के......संख्या वाले प्रमाणपत्र के ग्रधीन लरीद कर, ऐमे जाने के प्रभयत्तर उनका उसके खरीदने वाले व्यापारी के पक्ष में, जिसका पता इस प्रमाणपत्र में दिया

प्रमाणपत्र मंख्या.....ता०.....मंथारण

करता हूं/करते हैं,

उनके हक्क दस्तावेज प्ररूप 'ङ १/ङ २' के....मंख्या

निर्दिट, एक राज्य से दूसरे को चालान के ब्रम्यन्तर

यभ्यन्तर उनका उसके खरीदने वाले व्यापारी के वाले प्रमाणपत्र के प्रधीन खरीद कर, ऐसे जाने के

करता है/करते हैं,

गया है, पश्चात्वर्ती विकय किया है,	पक्ष में, जिसका पता इस प्रमाणपत्र में दिया गया है पश्चात्वरी विक्रय किया है,	पक्ष में, जिमका पता इस प्रमाणपत्र में दिया गया है, पश्चात्वती विकय किया है	A1(1)4
(ग) उस व्यापारी ने, जिससे मै/हमने उपर्युक्त (ख) में	(ग) उस व्यापारी ने, जिसमे मैं/हमने उपर्युक्त	(ग) उस व्यापारी ने, जिससे मैं/हमने उपर्युक्त	11/61
निदिष्ट चालान के ग्रम्यन्तर बस्तुओं के हक्क दस्तावेज खरीदे	(ख) में निद्धित चालान के ग्रभ्यन्तर बस्तुग्नों के	(ख) में निर्दिष्ट चालान के अभ्यन्तर बस्तुओं	राजान
ह, प्रमाणत करादया है (८) कि वह कर दचुका है/दगा या (गि) वस्तुकों के हक्क दस्तावेजों के पूर्ववर्ती हस्तान्तरकों में	हक्क दस्तावज खराद है, प्रमाणित कराद्या ह (i) कि वह कर दे चुका है/देगा या (ii)	क हक्क दस्तावज खराद ह, प्रमाणित कराप्या ह (1) कि वह कर दे चुका है/देगा या (11) वस्तुक्रों	7, 16
से किसी के द्वारा दिया जा चुका है/दिया जायेगा	वस्तुभों के हक्क दस्तावेजों के पूर्ववर्ती हस्तान्तरकों	के हक्क दस्तावजों के पूर्ववर्ती हस्तान्तरकों में से	न। भए
	म स किसा द्वारा दिया जा चुका ह/।दया जायगा ।	किमी के द्वारी दिया जा चुका ह/दिया जायगा	। अ५
हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	ΚΙ, Ι '
स्थान व्यक्ति की हैसियत या सम्बन्ध	स्थान ब्यक्ति की हैसियत या सम्बन्ध	स्थान व्यक्ति की हैमियत या सम्बन्ध	0 14
(उदाहरणार्थं प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्वधारी. निदेशक,	(उदाहरणार्थं प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्वधारी,	(उदाहरणार्थ प्रबन्धक, भागीदार, स्वत्वधारी,	(1-4)
सरकारा कारवार का भारसाथक पदाधिकारो)	निदेशक, सरकारी कारबार का भारमाधक पदा- क्षित्रहारी	निदेशक, सरकारी कारबार का भारसाधक पदा- सिक्तारी	, 1.
तारीख एस			137/2
(राज्य के नाम के सहिन)	ताराख (राज्य के नाम के सहित)	ताराथःपता (राज्य के नाम के सहित)	7 7113
डिप्पणः प्रमासापत्र देने वाले व्यापारी द्वारा रख लिया े	रख लिया टिलाण: प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले व्यापारी द्वारा	टिप्पणः समुचित राज्य सरकार द्वारा १३(३)	٦٩, .

के अधीन बनाये गये नियमों के अनुकूल

जाय

रख लिया

